

Ganga वतरणम्

Volume : January 2024

E-Newsletter



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

For Internal Circulation Only

Follow us:- [f](#) @THDCIL 24x7 [X](#) @THDCIL_MOP [i](#) @THDCIL [v](#) @THDCIL India Limited - Official [in](#) @THDC India Limited - Official



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

Contents

मुख्य संरक्षक श्री आर. के. विश्नोई अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
संरक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह निदेशक (कार्मिक)
संपादक डॉ. ए. एन. त्रिपाठी महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं जनसंपर्क)
उप संपादक सुश्री काजल परमार सहायक प्रबंधक (ज.सं.)
विशिष्ट सहयोग श्री पंकज कुमार शर्मा उप प्रबंधक (राजभाषा)
सहायक संपादक श्री ईशान भूषण सहायक प्रबंधक (ज.सं.)
समन्वयक
टिहरी श्री मनवीर नेगी प्रबंधक (ज. सं.)
कोटेश्वर श्री आर. डी. मंगगाई उप प्रबंधक (ज. सं.)
कौशांबी श्री बी. एस. चौहान सहायक प्रबंधक (ज.सं.)
पीपलकोटी श्री अविनाश कुमार कार्यपालक प्रशिक्षु (जनसंपर्क)
खुर्जा श्री प्रभात कुमार कार्यपालक प्रशिक्षु (जनसंपर्क)

CMD Message	2.
THDC Bags SCOPE Award	6.
CMD visited Tehri PSP	7.
75th Republic Day Celebration	8.
Launching of Mission, Vision, Values & E-Gyan Sanchay	10.
Inauguration of Green Hydrogen Pilot Project	11.
CMD visited 1320 MW KSTPP & 28th ICPSU Badminton Tournament	12.
Arrangers Meet at THDCIL	13.
Corporate Bond Series-IX	14.
Narakas Vaijyanti Purskar	15.
Inauguration of Ambulance Van	16.
Inauguration of Photo Exhibition	17.
Inauguration of Mobile Medical Van Cum Ambulance	18.
D(T) visited KSTPP & Significant Milestones at KSTPP	19.
Inauguration of Concrete Work at VPHEP	20.
Butterfly Valve at Tehri PSP	21.
Successful Lowering of Stator, Hindi Workshop at VPHEP & Blanket Distribution at NCR	22.
Achievements at VPHEP & Foundation Program at NPTI	23.
Ladies Club	24.
Retirement	25.
Article on VPHEP	26.

1.

You cannot believe in God unless you believe in yourself.
Swami Vivekananda



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का गणतंत्र दिवस संदेश

टीएचडीसी परिवार के प्रिय सदस्यों और प्यारे बच्चों,

भारत के 75 वें गौरवमयी गणतंत्र दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ !

यह दिन हर देशवासी के लिए गर्व और खुशी का दिन है। भारत के गणतंत्र की यात्रा 26 जनवरी, 1950 से शुरू हुई; 15 अगस्त, 1947 को आज़ादी मिलने के बाद आज ही के पुनीत दिवस पर भारतीय संविधान लागू किया गया। इस ऐतिहासिक घड़ी को संजोए हुए, हमारे देशवासियों की कई पीढ़ियां देश की प्रगति की साक्षी रहीं हैं। 200 वर्षों की गुलामी की दासता से मुक्ति पाकर पहले माँ भारती को आज़ाद कराना और फिर इतने बड़े राष्ट्र के संचालन और नियमन के लिए सर्वत्र स्वीकार्य संविधान बनाना और उसे लागू करना बहुत बड़ा कार्य था। हमारे स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग और बलिदान तथा दूर-दृष्टि वाले जन- नायकों ने अपने इस दायित्व को बखूबी निभाया।

टीएचडीसी के लोगों की यह खुशकिस्मती है कि उन्हें देश की तरक्की और विकास में रंग भरने का मौका मिला। देश की ऊर्जा ही नहीं, खुशियां और मुस्कान के अवसर प्रदान करने का भी हमें सौभाग्य मिला।

हमारा टीएचडीसी परिवार एक लघु भारत है। हम अलग-अलग प्रांतों, राज्यों, धर्मों के लोग एक साथ मिलकर एक उद्देश्य से जुड़े हैं और भारत की प्रगति के लिए काम कर रहे हैं। आज एक राष्ट्र के तौर पर हमें यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि हम विभिन्नता में एकता की भावना को बनाए रखेंगे और भारत की बहु-सांस्कृतिक, बहुधार्मिक और बहु-जातीय विशेषता का आदर करेंगे और देश को सशक्त बनाएँगे।

आज़ादी के बाद से अब तक के 75 वर्षों में भारत ने प्रगति के सोपान तेज़ी से चढ़े हैं। आज भारत एक विकासशील देश से विकसित देशों की कतार में शामिल होने की तैयारी में है। कठिनाइयों को पार करते हुए हम एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं। आज पूरा विश्व यह मान रहा है कि आने वाला समय भारत का होगा और हम सभी को इसे साकार करने के लिए पूरी मेहनत से लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा।

इस वर्ष मार्च में टिहरी में भारत के सबसे बड़े पम्प स्टोरेज प्लॉट (पी.एस.पी) का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। 1000 मेगावाट का ये प्रोजेक्ट उत्तरी क्षेत्र में पीकिंग पावर की क्षमता में वृद्धि करेगा। यह ऊपरी जलाशय और निचले जलाशय के मध्य जल के पुनर्चक्रण की अवधारणा पर आधारित है। इसके शुरू होने पर टिहरी बाँध जलाशय ऊपरी जलाशय के रूप में और कोटेश्वर जलाशय निचले जलाशय के रूप में कार्य करेगा।

राष्ट्र की अपेक्षाओं, निगम के भविष्य की संभावनाओं और व्यवहारिक विविधीकरण की दिशा में टीएचडीसी ने 1320 मेगावाट की खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना का कार्यान्वयन उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में किया है; यह कार्य भी फरवरी 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।

2.

जब तक आप स्वयं पर विश्वास नहीं करते, तब तक आप ईश्वर पर विश्वास नहीं कर सकते।
स्वामी विवेकानंद



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

इस पावर प्लांट की कोयले की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित अमेलिया कोयला खदान टीएचडीसी को आबंटित की गयी, जिस पर हमारे साथियों ने पूर्ण समर्पण और उत्साह के साथ कार्य किया और निर्धारित समय से पहले लक्ष्य अर्जित किया।

हमने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मध्य एक संयुक्त उद्यम का गठन किया है जो राजस्थान में 10,000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा पार्कों के विकास का महत्वपूर्ण कार्य करेगा। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निगम द्वारा यह महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे देश के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान मिलेगा; यह हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। कॉर्पोरेशन भारत सरकार के स्वच्छ ऊर्जा अभियान में 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने के लक्ष्य में अपना सम्पूर्ण योगदान दे रहा है। इसी के साथ हमारे TUSCO के माध्यम से झांसी और ललितपुरमें 600 MW और चित्रकूट में 800 MW क्षमता के सोलर पार्कों का कार्य प्रगति पर है।

महाराष्ट्र तथा केरल में भी हमने पीएसपी के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। केरल राज्य के साथ पीएसपी के विकास से सम्बंधित एक समझौता ज्ञापन भी निष्पादित किया गया है। उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए हैं जिसमें पारम्परिक जल-विद्युत परियोजनाओं के साथ-साथ पीएसपी का निर्माण भी शामिल है।

साथियों ! आपको यह जानकर अत्यधिक गौरव की अनुभूति होगी कि टीएचडीसी ने कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन (KPCL) तथा कर्नाटक रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (KREDL) के साथ मिलकर कर्नाटक में रिन्युएबल एनर्जी परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए भी समझौता - ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इन परियोजनाओं के तहत भूमि आरोहित (ground mounted) तथा फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं के अलावा पीएसपी सहित विभिन्न हाइब्रिड परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जाएगा जिनके द्वारा लगभग 3270 MW बिजली का उत्पादन होगा।

देश को विद्युत ऊर्जा उपलब्ध कराने के अपने मूल्य दायित्व को पूरी चेतना और समर्पण से निभाने के साथ-साथ टीएचडीसी ने अपने सामाजिक दायित्व भी बखूबी निभाए हैं और अपने क्षेत्र में रहने वाले निवासियों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए आगे बढ़कर सहयोग दिया है।

एक कदम और आगे बढ़कर हमने टिहरी में विगत वर्षों में वाटर स्पोर्ट्स को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया है। टीएचडीसी ने कायकिंग एण्ड कैनोइंग एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड, इण्डियन ओलंपिक एसोसिएशन, उत्तराखण्ड ओलंपिक एसोसिएशन तथा आईटीबीपी के साथ मिलकर वाटर स्पोर्ट्स के बहुत ही सफल आयोजन किए हैं। हमारे प्रयत्नों के लिए हमें हमारे माननीय केन्द्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री राज कुमार सिंह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बधाई दी है और वाटर स्पोर्ट्स में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वाटर स्पोर्ट्स अकैडमी स्थापित करने की प्रेरणा और जिम्मेदारी दी है। हमने इस दायित्व को बड़ी निष्ठापूर्वक लिया है और इन पर द्रुत गति से कार्य करना भी शुरू कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में अपनी कड़ी मेहनत से, टीएचडीसी ने भारतीय कॉर्पोरेट जगत में गौरवपूर्ण स्थान अर्जित किया है। हमने अपने सभी हितधारकों से उनकी अभिस्वीकृति और सराहना प्राप्त की है। अब समय तेजी से बदल रहा है, जिसमें गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है कि व्यवसाय में वैश्विक आवश्यकताओं की पूर्ति, पुनर्संरचना, पुनर्रचना, पुनर्रणनीति, अधिग्रहण, विलय, अनुसंधान एवं विकास, नवीन कौशल और ज्ञान प्रबंधन प्रमुखता से शामिल हों। इस समय में महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम इस बात का गंभीरता से चिंतन करें कि क्या हम सही दिशा में जा रहे हैं। स्पर्धा में आगे बने रहने के लिए हमें आज के तेजी से बदलते व्यावसायिक वातावरण में परिवर्तन की आवश्यकता और अनिवार्यता को समझना होगा और संगठन की संस्कृति में परिवर्तन लाने होंगे।



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रत्येक कर्मचारी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनना होगा। आवश्यक परिवर्तनों की चुनौती को स्वीकार करते हुए, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हमने "टीएचडीसी उदय" – एक नए संकल्प की भोर अभियान के अंतर्गत "अमृत मंथन" के रूप में अपने विजन (अभिदृष्टि) को नव - सृजित रूप में अभिगृहित किया है। विजन वह सक्षमता है जिसके माध्यम से हम अपने सपनों को साकार करने के लिए अपनी भावी कल्पना और दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ते हैं।

टीएचडीसी उदय :

1. कंपनी को फिर से खोजना, अतीत से प्रेरणा लेना और जिम्मेदारी की भावना के साथ भविष्य की संकल्पना करना।
2. टीएचडीसी ब्रांड के लिए अधिक सम्मान अर्जित करने के लिए अपने सभी कार्यों में “बड़ा सोचना और बड़ा कार्य करना।”
3. टीएचडीसी को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की दौड़ में आगे बने रहने के लिए कंपनी का नया साझा दृष्टिकोण "अमृत मंथन" विकसित करना।
4. सभी हितधारकों की मुस्कान अर्जित करने के लिए, सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संगठन तात्विक मूल्यों पर गंभीरता से पुर्नविचार करना।
5. कंपनी के विकास के लिए नए क्षेत्रों की खोज में अपने पंख फैलाना।
6. ज्ञान प्रबंधन और कौशल के विकास के लिए सार्थक प्रयास।
7. प्रभावी संचार संबंधों के साथ विश्वास के सेतु का निर्माण।
8. संगठन में शोध को बढ़ावा देना।

विजन हमें भविष्य के अपने लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने विचारों का स्पष्ट खाका खींचने में मार्गदर्शित करता है। हम अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने विभिन्न कार्यों की रूपरेखा तैयार करते हैं। हमारी दृष्टि की कोई सीमा नहीं है और हमारी दृष्टि की सीमा ही हमारी सफलता की सीमा तय करती है। हमारी क्षमताएँ नहीं बल्कि हमारी अभिदृष्टि हमें हमारी मंजिल तक पहुँचाती है। हमने अपने लिए नए लक्ष्य और आदर्श निर्धारित करने के लिए अपने दृष्टिकोण और मिशन पर फिर से विचार करने का एक बहुत ही सहभागी प्रयास किया। मुझे आज यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम अपनी कंपनी के लिए नया दृष्टिकोण अपना रहे हैं। हमारा नया विज़न होगा :

“एक एकीकृत वैश्विक ऊर्जा संगठन जो भारत की शुद्ध- शून्य आकांक्षाओं की अभिप्राप्ति के लिए सतत समाधान प्राप्त करे।”

मिशन :

- विविध स्रोतों से स्वच्छ और किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराना।
- उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की खोज करना एवं सुचारु परिवर्तन को सक्रिय करने के लिए गुणवत्तापरक स्थायी समाधान प्रदान करना।
- व्यक्तियों को सक्षम एवं विकसित करते हुए परिवर्तन को अंगीकार करने हेतु संगठनात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।
- व्यावसायिक गतिविधियों में उच्चतम नैतिक मानकों एवं सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करना।
- सामाजिक रूप से उत्तरदायी रहकर कार्य करना एवं पर्यावरण तथा व्यक्तियों के प्रति प्रतिबद्ध होकर कार्य करना।
- उच्च उत्पादकता और दक्षता को हासिल करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अंगीकृत करना।
- संसाधनों के अधिकतम दोहन के लिए रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना।



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

अपने लिए नई अभिदृष्टि और मिशन को अपनाते समय हमने आत्मनिरीक्षण करने और उन मूल्यों की पहचान करने के लिए कड़ी मेहनत की है जो हमारे व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। मेरा यह निश्चित मत है कि साहस, प्रगतिशील सोच, शक्ति और ज्ञान के द्वारा ही हम मनोवांछित परिणाम पा सकते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये हमने अपने लिए नयी कोर वैल्यूस अर्थात तात्विक मूल्य भी अंगीकृत किए है। संयुक्त रूप से हम इसे ASPIRE (आकांशा) कह सकते हैं :-

A : Accountability (जवाबदेही)

S : Sustainability) (पर्यावरणीय स्थिरता)

P : Passion (जोश)

I : Innovation (नवाचार)

R : Respect (सम्मान)

E : Ethics (नैतिकता)

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व, हमारी युवा शक्ति, सेना के सामर्थ्य और तकनीकी कौशल के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक व आध्यात्मिक विरासत की संप्रेरणा हमें भारत को एक सम्पन्न खुशहाल और विकसित राष्ट्र बनाने की शक्ति देती है।

विगत वर्ष में जी-20 के सफल आयोजन ने भारत का मान पूरे विश्व में बढ़ाया है। जहाँ एक ओर राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर और परम्पराओं को पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत किया गया, वहीं उभरते भारत की शक्ति और सामर्थ्य को भी प्रभावी ढंग से दुनिया को बताया गया।

अंत में एक बार पुनः मैं आप सभी को आज के इस ऐतिहासिक उत्सव की दिल से शुभकामनाएं देता हूँ। आज के इस रंगारंग कार्यक्रम में भाग लेने वाले हमारे टीएचडीसी परिवार के सभी गुणी और होनहार प्रतिभागियों का भी मैं अभिनन्दन करता हूँ।

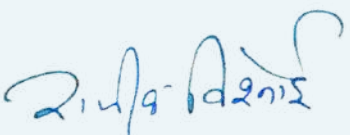
आज जबकि हम गुणवत्ता और श्रेष्ठ कार्य-प्रदर्शन के लिए एक नए संकल्प को ग्रहण कर रहे हैं, मैं हमारे उन सहकर्मियों को भी बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्य प्रदर्शन के लिए आज पुरस्कार प्राप्त किए है।

आईए ! आज के इस पुनीत उत्सव पर माँ भारती को नमन करें

"भारतवैभवं वन्दे नितरां भारत वसुधाम् ।

दिव्य हिमालय-गंगा-यमुना-सरयू- कृष्ण शोभित सरसाम ॥

जय हिन्द ! जय टीएचडीसी


(आर.के. विश्वादी)



THDCIL Bags SCOPE Meritorious Award for Best Practices in Human Resource Management



CMD, THDC and D(P), THDC receiving award from Hon'ble Vice President of India

Hon'ble Vice-President of India, Shri Jagdeep Dhankhar honored THDC India Limited with the prestigious SCOPE Meritorious Award for its outstanding Best Practices in Human Resource Management in a distinguished ceremony at Vigyan Bhawan, New Delhi on 18 Jan 2024. The accolade was received by Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director along with Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) of THDCIL.

Hon'ble Vice President of India while addressing the representatives of various CPSEs and Govt. of India officials said that the Public Sector is the Spine of Indian Economy. The nation is greatly benefited by the Public Sector Enterprises.

Underscoring the pivotal role of HR practices, Sh. Vishnoi attributed the prestigious SCOPE Meritorious Award to THDC India Limited's unwavering dedication and unparalleled excellence in world-class HR practices. He emphasized the profound impact of effective HR on organizational growth, highlighting how THDC's commitment to exceptional human resource management has been a driving force behind its success.

The role of HR has transformed into a crucial business partner for sustainable growth. This accomplishment of THDC is attributed to the seamless alignment of HR strategy with Corporate Strategy, as HR serves as a vital partner in the overall success of the corporation. This recognition serves as a testament to the company's steadfast focus on fostering a dynamic and supportive work environment, contributing significantly to its achievements in the energy sector. The award, bestowed by Hon'ble Vice President of India, validates THDC's commitment to exceptional HR practices. Expressing appreciation to the dedicated team, Sh. Vishnoi noted that such recognition is a result of the relentless efforts of every member. He urged all members of THDC to work with utmost standards of performance while upholding ethical behavior and human values.

Commending THDCIL's remarkable HR management practices, Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), emphasized the company's distinct position in championing the Socio-Economic development. This accolade symbolizes THDC's unwavering dedication to achieving excellence in the development and management of Human Resources.

The success of an organization hinges upon the robust foundation of three key principles: Transparency, Objectivity, and Honesty. This includes a relentless pursuit of continuous process improvement, active employee engagement initiatives, targeted learning and development programs, provision of robust career and growth opportunities, and a strong focus on employee welfare. THDC's success in receiving this award underscores the organization's commitment to fostering a culture of excellence and innovation in HR practices.



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

By embracing these principles, THDC not only solidifies its position as a leader in the energy sector but also sets a benchmark for other organizations aspiring to elevate their HR standards, ultimately contributing to the holistic development of individuals and the communities they serve. This award serves as a testament to THDC's holistic approach to human resource management, reflecting the company's dedication to creating a workplace that nurtures talent, encourages growth, and drives overall success.

THDCIL firmly believes that its Human Resource is the most crucial element and key resource for harness growth with sustainability. The Company has always devised and implemented best HR practices to nurture talent. Some of the HR practices of THDCIL are unique and its efforts have been recognized and conferred with Several awards previously also.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा देश की प्रथम वेरिबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना 1000 मेगावाट की समीक्षा



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के टिहरी दौरे के कुछ दृश्य

श्री आर.के.विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल ने अपने टिहरी दौरे पर टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना 1000 मेगावाट की व्यापक समीक्षा की। बैठक में श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी), श्री एल. पी. जोशी, परियोजना प्रमुख (टीसी) और टीएचडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना के कंसोर्टियम (मैसर्स जीई और मैसर्स एचसीसी) के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न परियोजना स्थलों पर चल रही सभी गतिविधियों और विभिन्न कार्य स्थलों पर कार्य प्रगति की गहराई से समीक्षा की गई। इस दौरे में अपस्ट्रीम सर्ज शाफ्ट, बीवीसी (बटरफ्लाई वाल्व चेंबर), डाउनस्ट्रीम सर्ज शाफ्ट, पावरहाउस और टीआरटी (टेलरेस टनल) आउटफॉल क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण कार्य स्थलों का निरीक्षण सम्मिलित था।

श्री विश्वोई ने कहा कि भारत सरकार ने विद्युत मंत्रालय के तत्वावधान में नवीकरणीय ऊर्जा के दोहन पर जोर दिया है और पंप स्टोरेज ऊर्जा के विकास के संबंध में विशेष प्रयास चल रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने बताया कि यह बहुत गर्व की बात है और टीएचडीसी के पेशेवर दृष्टिकोण के फलस्वरूप है कि देश की सबसे बड़ी 1000 मेगावाट की टिहरी पीएसपी (4 x 250 मेगावाट) गति से कमीशनिंग चरण के करीब पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पूरी होने पर राष्ट्र की शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण योगदान देगी। टिहरी पीएसपी कमीशन के उपरांत 24x7 किफायती विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था के विकास के इंजन को गति देने के लिए आधारशिला साबित होगी। श्री विश्वोई ने आगे यह भी कहा कि यह परियोजना किफायती ऊर्जा समाधान और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति टीएचडीसी के समर्पण को संरेखित करती है।

श्री विश्वोई ने परियोजना गतिविधियों की समग्र प्रगति और हासिल किए गए लक्ष्यों की सराहना की। उन्होंने टीएचडीसीआईएल पीएसपी टीम और कंसोर्टियम (मैसर्स जीई और मैसर्स एचसीसी) को देश के प्रथम वेरिबल स्पीड पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट (1000 मेगावाट) को पूरा करने की दिशा में गति बनाए रखने का निर्देश दिया।

श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) ने परियोजना गतिविधियों को समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया और परियोजना की प्रगति के साथ उत्कृष्टता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

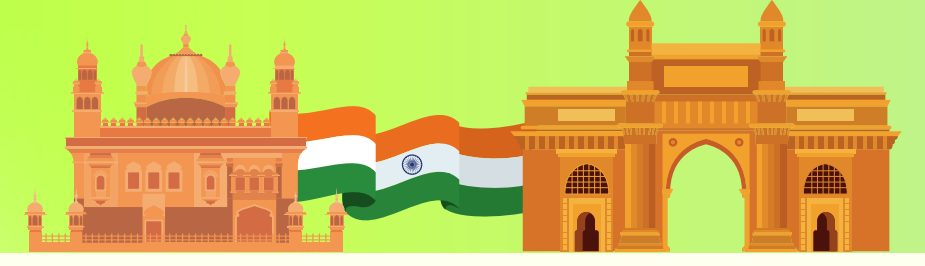
7.

You cannot believe in God unless you believe in yourself.
Swami Vivekananda



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

हर्षोल्लास से मनाया गया 75वां गणतंत्र दिवस



26 जनवरी, 2024 को कॉरपोरेशन के सभी कार्यालयों तथा यूनिटों में 75वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में श्री आर. के. विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया। साथ ही परियोजना कार्यालयों में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के भाषण को लाइव माध्यम से सुना गया। इस अवसर पर श्री जे. बेहेरा, निदेशक(वित्त), श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक(कार्मिक) एवं श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक(तकनीकी) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।



8.

जब तक आप स्वयं पर विश्वास नहीं करते तब तक आप ईश्वर पर विश्वास नहीं कर सकते।
स्वामी विवेकानंद



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

टिहरी



श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

खुर्जा



श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक(केएसटीपीपी) द्वारा गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

पीपलकोटी



श्री अजय वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

कौशांबी



श्री नीरज वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) एनसीआर कार्यालय गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

देहरादून



देहरादून कार्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह का दृश्य

अमेलिया



श्री ए. के. शर्मा, ओएसडी/ परियोजना प्रमुख (अमेलिया कोल माइन परियोजना) गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए



Launching of THDC's Mission, Vision & Values and E-Gyan Sanchay



Sh. R. K. Vishnoi, CMD, Sh. J. Behera, D(F), Sh. Shallinder Singh, D(P) and Sh. Bhupender Gupta, D(T) unveiling THDC's mission, vision and values

On the momentous occasion of the 75th Republic Day, THDCIL Management ushered in a new era by unveiling groundbreaking initiatives including the Launching of Revised Vision, Mission and Values of the Corporation and the E-learning Management System at Corporate Office, Rishikesh.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, unveiled THDC's Mission Vision and Core Values and E-Learning Management; E-Gyan Sanchay in the presence of Sh. J. Behera, Director(Finance), Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel) and Sh. Bhupender Gupta, Director(Technical).

THDCIL's new Vision, Mission, and Values reflects THDCIL's commitment to stay aligned with contemporary ideals and ensure a robust foundation for its future endeavors.

In a significant move towards manifesting these principles, Sh. Vishnoi also laid the foundation for the Karm Mulya Park at the Corporate Office in Rishikesh. This symbolic gesture highlights the essence of THDCIL's Vision, Mission, and Core Values, serving as a tangible manifestation of the company's commitment to its guiding principles.

State-Of-The-Art Learning Management System, E-Gyan Sanchay was also inaugurated on this prestigious occasion. E-Gyan Sanchay symbolizes THDCIL's commitment to empower its workforce with comprehensive knowledge and skills essential for leading in the dynamic realm of Power Generation and beyond. Through E-Gyan Sanchay, THDCIL is poised to empower its Human Resource with the latest insights and strengths, fostering a culture of continuous learning and excellence. This initiative underscores the company's dedication to attain excellence in all concerned sectoral areas ensuring that its workforce remains adept and well-prepared for the ever-changing business dynamics of the energy landscape.

Highlighting THDC's core competency in harnessing Energy across diverse verticals such as Hydro, Wind, Thermal, Solar, and PSP, THDCIL is consistently establishing new benchmarks through its unique State-of-the-Art technologies.



A view during the Bhoomi Poojan of Karm Mulya park at Ganga Bhawan



A view during the launching of E-Gyan Sanchay



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

THDCIL dedicates India's Largest Electrolyser End Fuel Cell based Green Hydrogen Pilot Project at Rishikesh



A view during the inauguration of Green Hydrogen Pilot Project

THDC India Limited, a leading Power Sector PSU, has also established a benchmark in the Green Hydrogen production, by successfully implementing India's one of the First Pilot Project aligned with the "National Green Hydrogen Mission" on the auspicious occasion of 75th Republic Day. The project developed at the office complex in Rishikesh was inaugurated by Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL in the presence of Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) and Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), along with all other senior officers of THDCIL.

Hon'ble Union Minister for Power, New and Renewable Energy , Sh. R. K. Singh also recently emphasized the government's commitment to energy transition and India's Nationally Determined Contributions (NDC) commitment to reduce emissions intensity. Hon'ble Minister also highlighted upon the Importance of various initiatives under the ambit of National Green Hydrogen Mission which will contribute to India's aim to become Aatmanirbhar through clean energy and serve as an inspiration for the global Clean Energy Transition.

The Pilot Project will produce 50KG of Green Hydrogen on daily basis sourcing input energy from 1MW Rooftop Solar Plant, the produced Green Hydrogen will be stored in 2nos of Storage Tanks and shall be utilized in night hours for illumination of THDCIL office Complex through a 70 Kw PEM Fuel Cell.

The Project will be India's Largest Electrolyser End Fuel Cell based Pilot Project. This notable achievement by THDCIL serves as a demonstration of key technologies involved in Green Hydrogen Production, H2 storage, and features a PEM (Proton Exchange Membrane) Hydrogen fuel cell-based microgrid system. This initiative underscores THDCIL's dedication to advancing sustainable practices and embracing innovative solutions in the realm of Green Energy.

Laboratory of VPHEP's Dispensary secured "A" grade in EQAS

The laboratory of 444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project's dispensary has secured an Excellent (A grade) rating for all clinical chemistry tests in the External Quality Assurance Program (EQAS) conducted by Christian Medical College, Vellore for the calendar year 2023. This achievement signifies that the laboratory at



VPHEP Dispensary strictly adheres to the rigorous guidelines set forth by the National Accreditation Board for Laboratories (NABL). Sh. Ajay Verma, the Head of the Project, congratulated the Dispensary Team and Sh. D. D. Mondal (Pathology Technician) for their unwavering dedication and commitment to their work.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक



खुर्जा एसटीपीपी में 28 जनवरी, 2024 को निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्वोई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) टीएचडीसी, श्री के. एस. मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल, श्री तेजेंद्र गुप्ता, निदेशक (पॉवर), बीएचईएल, श्री एस. एन. पालेकर, वाइस प्रेसीडेंट (एल&टी) मौजूद रहे। समीक्षा का मुख्य उद्देश्य चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण करना और परियोजना टीम के साथ परस्पर बातचीत करके चुनौतियों का समाधान

करना और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था। बैठक के दौरान प्रोजेक्ट की कमीशनिंग को तेज गति से आगे बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया तथा इस वित्त वर्ष में Unit 1 की synchronization करने का निर्णय भी लिया गया। इस बैठक में श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना), श्री एम. के. अस्थाना, कार्यपालक निदेशक, एनटीपीसी, श्री डी. के. श्रीवास्तव, सीईओ (M/S LMB), श्री एस. के. बेरा, प्रोजेक्ट निदेशक (M/S LMB, Khurja) एवं टीएचडीसी, एनटीपीसी, बीएचईएल के अनेक वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

THDC Women Team Secured Second Position in Women Singles Category in ICPSU Badminton Tournament



THDC's Management congratulating Ms. Bhawana Rawat for securing 2nd position



A group photograph of THDCIL's Women and Men Team during ICPSU Tournament

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited extended congratulations to Ms. Bhawana Rawat, Manager (Planning), Tehri, for securing second position (Silver Medal) in the Women Singles (Individual Event) category during the 28th ICPSU Badminton Tournament hosted by Damodar Valley Corporation, under the aegis of Power Sports Control Board, Ministry of Power, Govt. of India in Kolkata, from January 8th to 11th, 2023. Stressing the significance of sports for physical and mental strength, Sh. Vishnoi commended Ms. Bhawana for bringing honor to the company. Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) THDC, applauded Ms. Rawat's efforts and stated that THDC has always encouraged women and provided them conducive platform to actively participate in sports and various domains. He stated that it was a proud moment that women workforce of THDCIL are excelling and contributing in the success story of THDCIL. Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), also congratulated Ms. Rawat, for getting the award and underscored the importance of wholehearted participation in sports, emphasizing the empowerment of women across diverse fields.



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

Arrangers Meet at THDC India Limited



THDC India Limited hosted an Arrangers Meet on January 5, 2024, at its New Delhi office, underscoring the company's dedication to transparency and collaboration. The event, graced by esteemed arrangers and investors, showcased THDCIL's commitment as it gears up for the issuance of Corporate Bonds Series-IX on January 12, 2024.

Sh. J. Behera, Director (Finance) and team, actively engaging in discussions on the company's future growth trajectory delivered a

comprehensive presentation, offering insights into growth prospects, financial standing, and ongoing projects. This gathering served as a pivotal platform for fostering meaningful dialogue, ensuring arrangers and investors are well-informed about the company's strategic direction.

A notable highlight was an extensive discussion led by the Sh. J. Behera, Director (Finance), exemplifying THDCIL's commitment to keeping stakeholders informed and confident in the company's business and financial strategies. The imminent commissioning of projects emerged as a key factor expected to substantially enhance the company's credit rating, emphasizing THDCIL's dedication to fortifying its financial standing and delivering enhanced value to investors.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, conveyed his wishes and underscored the THDCIL's commitment to informing stakeholders, addressing expansion strategies, credit ratings, and emphasizing imminent project commissioning.

Beyond growth prospects and financial matters, attendees were informed that the bidding for THDCIL Corporate Bonds Series-IX is scheduled for January 12, 2024. This proactive and engaging meeting symbolizes THDCIL's dedication to fostering productive interactions, providing clarity on its financial outlook, and maintaining open lines of communication with stakeholders.

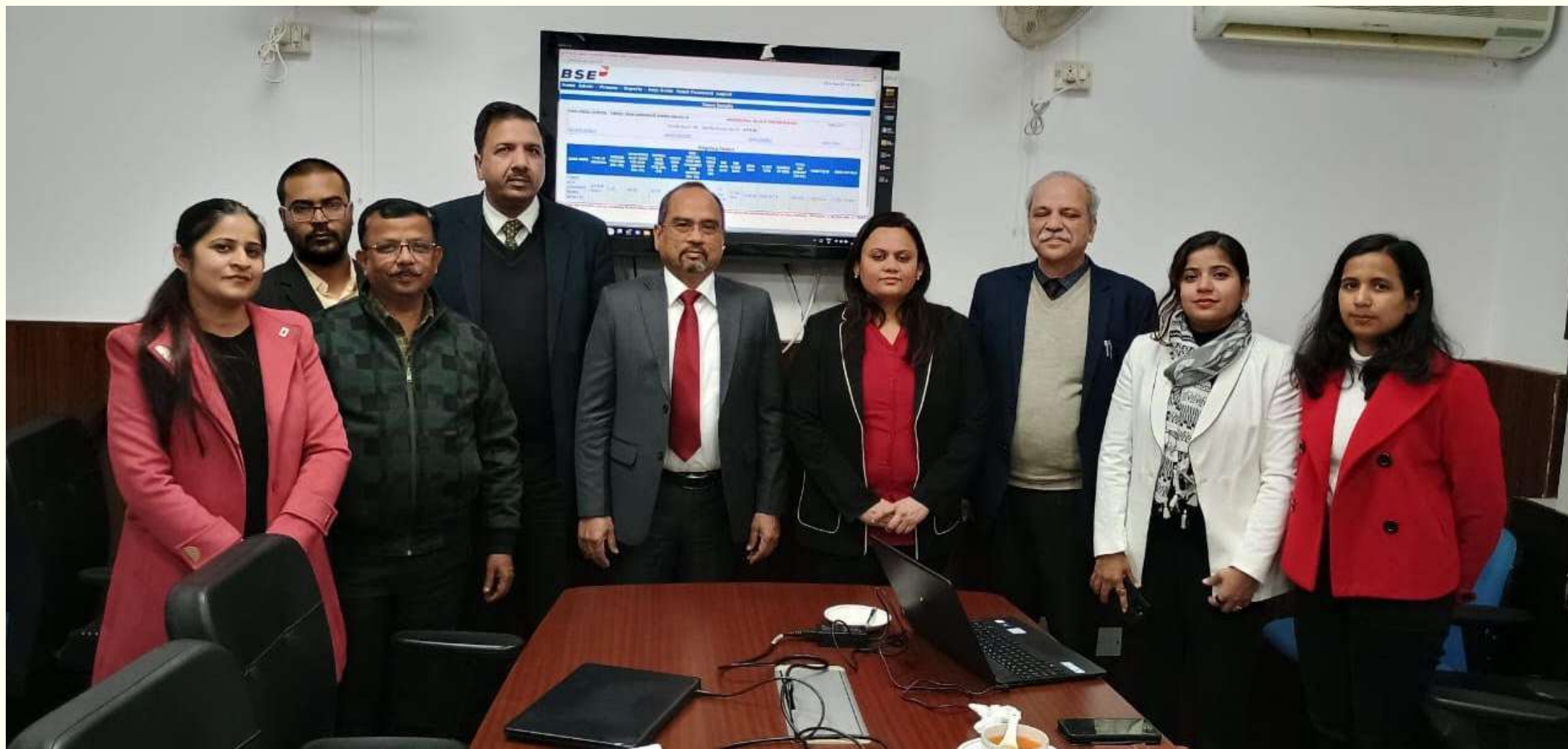
THDCIL is one of the premier power generators in the country with installed capacity of 1587 MW with commissioning of Tehri Dam & HPP (1000MW), Koteshwar HEP (400MW) in Uttarakhand, Wind Power Projects of 50MW at Patan & 63MW at Dwarka in Gujarat, 24MW Dhukwan Small Hydro Project, Jhansi, Uttar Pradesh and 50 MW Solar Power Project at Kasaragod, Kerala to its credit.

Despite all the challenges, the Commercial Operations of THDCIL's Amelia Coal Mine have already commenced, six months ahead of schedule which is a landmark achievement. Besides, the first Unit of 660 MW of 1320 MW Khurja Super Thermal Power Plant (KSTPP) and the first unit of 250MW of the Country's largest 1000 MW Tehri PSP are likely to be commissioned soon, with other Units successively in span of short intervals. This speaks volumes of the Professional and State-of-Art practices being implemented by THDC. THDCIL is poised to enhance the company's achievements, further solidifying its position in the energy sector.

With an unwavering commitment to the National Objective of ensuring 24x7 affordable power for all, THDCIL is steadfast in achieving this organizational goal through substantial growth and diversification across various energy sources, including Solar, Wind, Thermal, Pumped Storage Power (PSP), and Hydro. This dedicated approach emphasizes THDCIL's pivotal role in meeting the nation's energy requirements while upholding financial stability and operational excellence.



THDC India Limited Successfully Raises Rs 779 Crore through THDCIL Corporate Bonds Series -IX at interest rate of 7.93% with over subscription of approx. 5 times



A group photograph during the bidding process

THDC India Limited, a leading player in the energy sector, has achieved a significant milestone by successfully raising Rs 779 Crore through the issuance of THDCIL Corporate Bonds Series -IX. The bonds garnered substantial interest from investors, resulting in a remarkable oversubscription of approx. 5 times the base issue size, amounting to Rs 1474 Crore.

THDCIL Corporate Bonds Series -IX, with a base size of Rs 300 Crore and a green shoe option of Rs 479 Crore, achieved a total issue size of Rs 779 Crore, with a tenor of 10 years. The funds raised through this issue will be utilized to partly meet debt requirements of THDCIL's ongoing and under construction projects including recoupment of expenditure already incurred and to refinance the existing loans.

This accomplishment underscores the confidence of investors in THDC India Limited's financial stability and operational performance. The competitive coupon rate of 7.93% discovered through BSE-Electronic Bidding Platform further reinforces the trust placed in THDCIL Corporate Bonds. These bonds have received a credit rating of AA "Stable" from both CARE and India Ratings, highlighting the strong credit worthiness of the company.

The bidding for this successful bond issue took place on January 12, 2024 at THDCIL's Corporate Office in Rishikesh. The event was graced by the presence of Sh. J. Behera, Director (Finance) and CFO, Sh. A.B. Goel, ED (Finance), Sh. A.K. Garg, GM (Finance), Ms. Rashmi Sharma, Company Secretary, and Ms. Hemlata Agarwal, BSE Head Northern Region, Listing.

THDC India Limited has not only made its mark in Hydro Power generation but also in Renewable Energy with a nationwide presence. Today, THDCIL is recognized as a Category-1 Mini Ratna Class-A Central Public Sector Undertaking (CPSU). The company currently operates 1587 MW of energy capacity, including Hydro, Wind, and Solar power, with an additional 1444 MW in Hydro capacity and 1320 MW in thermal power under advanced development stages.

To date, THDCIL has issued a total of 9 series of Bonds and has successfully raised funds amounting to Rs. 7792 Crore from the corporate debt market. All of these bond issues have received overwhelming responses from investors, and the servicing of all series of bonds is running smoothly and on time.

Sh. J. Behera, Director (Finance), expressed his gratitude to investors for their unwavering trust in the company's operational and financial performance, as well as its future growth prospects.



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने जीता नराकास वैजयंती का प्रथम पुरस्कार



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की कुछ झलकियाँ

श्री आर. के. विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने निगम के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश को नराकास राजभाषा वैजयंती (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार निगम में राजभाषा कार्यान्वयन के उत्कृष्ट निष्पादन को प्रदर्शित करता है। उन्होंने निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया कि राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में वे अपना अमूल्य योगदान देना जारी रखें।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 37वीं बैठक दिनांक 29 जनवरी, 2024 को होटल गार्डेनिया, सिडकुल, हरिद्वार में पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय, हरिद्वार के सौजन्य से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नराकास, अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक(कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने की। बैठक में हरिद्वार, रुड़की, ऋषिकेश एवं पर्वतीय क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों एवं राजभाषा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के अंचल प्रमुख श्री एस.एन.दूबे, मंडल प्रमुख, श्री रवीन्द्र कुमार, बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक, श्री टी.एस.मुरली एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

बैठक में नराकास राजभाषा वैजयंती योजना के अंतर्गत सदस्य संस्थानों को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने प्रथम, बीएचईएल, हरिद्वार ने द्वितीय एवं भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, लंडोरा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। श्रेणी-2 भारत सरकार के कार्यालय/बोर्ड/स्वायत्तशासी निकाय के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय, हरिद्वार ने प्रथम, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की ने द्वितीय, सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की ने तृतीय तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। राष्ट्रीयकृत बैंक एवं बीमा कंपनियों की श्रेणी में पंजाब नेशनल बैंक, मंडल कार्यालय, हरिद्वार, दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ऋषिकेश एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, हरिद्वार शाखा को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

बैठक के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने कर-कमलों से विजेता संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों को ये शील्ड प्रदान की। साथ ही छमाही के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। बैठक में नराकास सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा द्वारा नराकास हरिद्वार द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा से संबंधित नवीनतम जानकारियों से अवगत कराया गया। उन्होंने राजभाषा हिंदी की प्रगति की अर्धवार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा की। इसके उपरांत चर्चा सत्र का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों को नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं संप्रेषित की। उन्होंने कहा कि पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने में हिंदी ने अपनी महति भूमिका निभाई है। आजादी के आंदोलन में हिंदी के योगदान एवं देश के सबसे बड़े भाग में बोली जाने वाली हिंदी भाषा को संविधान में संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया गया। संविधान में की गई व्यवस्था के अनुसार 22 क्षेत्रीय भाषाओं को राजभाषा का दर्जा दिया गया जिसमें हिंदी भी शामिल है। इसका कारण यह था कि पूरे देश में एक साथ हिंदी को स्थापित करना संभव नहीं था। क्योंकि हमारा देश बहुभाषी देश है। इसलिए हिंदी को धीरे-धीरे ही स्थापित किया जा सकता है। इस अभियान में समय लग सकता है परन्तु हमें अपने प्रयास जारी रखने हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र की अपनी स्वतंत्र भाषा है और वे अपने सरकारी कार्यों में सिर्फ उसी का प्रयोग करते हैं। उन्होंने भाषा के सरलीकरण पर बल देते हुए कहा कि हिंदी में अनेक शब्द दूसरी भाषाओं से प्रचलन में आए हैं, जिन्हें उसी रूप में अपनाया जाना उचित होगा, जिससे अपने दैनिक कामकाज में हिंदी को सरलता से अपनाया जा सके।



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

टीएचडीसी स्वास्थ्य मोबाइल वैन द्वारा उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों को सहायता प्रदान करेगी



एम्बुलेंस वैन के उद्घाटन के दृश्य

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में अपने प्रयासों के अंतर्गत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने एम्स, ऋषिकेश को एक एम्बुलेंस वैन समर्पित की जिसे कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश से हरी झंडी दिखाकर 12 जनवरी 2024 को रवाना किया गया। टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह और एम्स, ऋषिकेश की निदेशक, प्रोफेसर मीनू सिंह ने संयुक्त रूप से एम्बुलेंस वैन का उद्घाटन किया। यह दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुंच बढ़ाने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्वोई ने टीएचडीसीआईएल की सीएसआर गतिविधियों पर जोर देते हुए कहा कि एम्बुलेंस वैन ग्रामीण समुदायों को सहायता उपलब्ध कराएगी। यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति टीएचडीसीआईएल के सतत समर्पण को रेखांकित करता है। टीएचडीसीआईएल हाइड्रो, विंड, थर्मल, सोलर और पीएसपी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा के दोहन में हमारी मुख्य योग्यता के अतिरिक्त, सीएसआर में भी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और पहलों के माध्यम से लगातार नए मानक स्थापित कर रही है। टीएचडीसीआईएल समाज की व्यापक भलाई के प्रति प्रतिबद्ध है तथा इसका उत्तराखंड राज्य पर विशेष ध्यान केंद्रित है। इसी प्रकार की पहल टिहरी जिले में भी की गई है। एम्बुलेंस वैन जैसी पहल टीएचडीसी की सीएसआर गतिविधियों का एक हिस्सा है जो कि उत्कृष्टता, सततता और सामुदायिक विकास की कंपनी के प्रमुख मूल्यों के साथ संरेखित होता है।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि टीएचडीसीआईएल उत्तराखंड पर विशेष ध्यान देने के साथ समाज के समग्र कल्याण के प्रति अपने समर्पण को दृढ़ता से कायम रखे हुए है। आज हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई एम्बुलेंस वैन, टीएचडीसीआईएल के समर्पण का एक प्रमाण है जो यह सुनिश्चित करता है कि उत्तराखंड के ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हों। इस प्रकार की सीएसआर पहल टीएचडीसीआईएल की उत्कृष्टता, सततता और सामुदायिक विकास के मूल तत्वों के साथ संरेखित होकर समाज के स्वास्थ्य और कल्याण में सार्थक योगदान देने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रतिनिधित्व करती है।

एम्स, ऋषिकेश की निदेशक, प्रोफेसर मीनू सिंह ने इस सहयोगात्मक पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, "एम्बुलेंस वैन का उद्घाटन एम्स, ऋषिकेश और टीएचडीसीआईएल के बीच एक प्रभावशाली सहयोग का प्रतीक है, जो दूरदराज के समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के लिए समर्पित है।

श्री एस.एस.पंवार, सीजीएम (आईटी), टीएचडीसीआईएल, श्री अमरदीप, विभागाध्यक्ष (एस एंड ई) सहित टीएचडीसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।



देहरादून कार्यालय में 25 जनवरी, 2024 को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर कैलाश अस्पताल द्वारा आयोजित कराया गया जिसका उद्घाटन श्री संदीप कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं श्रीमती अंजना अग्रवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।



Inauguration of Photo Exhibition at Triveni Ghat, Rishikesh



Some snapshots of the photo exhibition at Triveni Ghat

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC India Limited, inaugurated a spectacular photo exhibition at Triveni Ghat, Rishikesh, paying tribute to the late renowned photographer of international fame, Late Sh. Rakesh Sahai. The event was also graced by Smt. Kushum Kandwal, Chairperson of the Uttarakhand State Commission for Women, Sh. Manoj Rangad, the dedicated organizer behind this creative initiative.

In the exhibition, the works of many nationally acclaimed level photographers, on nature and various contemporary subjects, were displayed, unfolding a vibrant and befitting homage to the artistic legacy of Sh. Rakesh Sahai.

THDC having its core strength in Hydro Sector, has been known for establishing new Benchmarks in harnessing Hydro Energy with the highest standards of quality. In this endeavour for contributing towards the overall Socio-Economic development, THDC has also always been at the forefront of supporting and promoting the Art and Culture in the region underlining THDC India Limited's unwavering commitment to nurturing and motivating talent in Uttarakhand.

Sh. Shallinder Singh, Director(Personnel), THDCIL, after having overview of the works of renowned photographers in the exhibition expressed that the works of such photographers have the potential to touch human thought with indelible print which a book of thousand pages may not impact. The photographs not only displayed the magnificent beauty of Nature but also aimed to create greater sensitivity towards Environment and surroundings. The event was strategically timed, aligning with the New Year, to inspire and motivate photographers across the Nation.

The exhibition not only showcased the artistic brilliance of Sh. Sahai but also served as a dynamic platform to foster creativity and appreciation for photography in the region. Sh. Singh's remarks resonated with THDC's broader commitment to promoting cultural and artistic endeavors, contributing to the vibrant tapestry of Uttarakhand's heritage.

This significant collaboration between art and nature marked an important milestone, bridging the realms of photography amidst picturesque and captivating landscapes surrounding Triveni Ghat. The success of the exhibition is anticipated to serve as a catalyst, encouraging and propelling the artistic pursuits of photographers in the state, in alignment with THDC's steadfast commitment to fostering talent and creativity in Uttarakhand.



Flagging off ceremony of Mobile Medical Van cum Ambulance by THDC at Nirmal Ashram Eye Hospital, Rishikesh



A view during the flagging off ceremony of Mobile Ambulance Van

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, informed that THDC is a premier Mini-Ratna Schedule – ‘A’ PSU which has over the years displayed its Par Excellence performance in harnessing of all Energy sources that are Hydro, Wind, Solar, Thermal and PSP. With excellent Team Spirit and imbibing State-of-Art Technology, THDC has established New Benchmarks in Hydro Sector. Besides, its core strength of Designing, Construction and O&M of Major Hydro Projects, it has achieved remarkable feat of Commissioning Amelia Coal Mines 6 months ahead of schedule. Although THDC is in the Business of development and providing of Affordable Power 24 x 7 to all, it is equally conscientious of its responsibility towards overall Socio-Economic development of the society. Sh. Vishnoi congratulated THDC-SEWA, on the occasion of the Flagging off ceremony of Mobile Medical Van cum Ambulance by THDC at Nirmal Ashram Eye Hospital, Rishikesh on 16 January, 2024.

THDCIL being a socially responsible organization, continuously strives to come up with various solutions of Health, Hygiene, Education, Skill Development, Agriculture, Preservation of Culture, Women Empowerment etc. through its NGO i.e. THDC-SEWA.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL and Maharaj Jodh Singh Ji, Nirmal Ashram, Rishikesh jointly launched the Mobile Medical Van cum Ambulance Services, in its endeavor towards THDCIL’s vision for universal healthcare.

Speaking on the occasion, Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL said that THDC has always been at the forefront for the Socio-Economic growth of populace of Uttarakhand, more specifically towards those who have been affected by our Projects and in its commitment towards this, the THDC Mobile Medical Van cum Ambulance, would pave way for providing Health-related services at the doorsteps of the Project displaced families.

CSR project in partnership with Nirmal Ashram Eye Institute aims to provide free eye care facilities and check-ups to communities residing at remote location of THDCIL’s project-affected areas by organizing regular health camps throughout the year. The project also enlists the identification of individuals suffering from cataracts and providing them free of cost eye surgery at Nirmal Ashram Eye Institute, Rishikesh with zero financial burden on the beneficiary. This is one of the initiatives of THDC towards silently and selflessly reaching out to the needy in the remotest and far-flung hilly locations.

On this occasion Sh. Amardeep, GM (S&E), THDCIL, Sh. Ajay Sharma, Nirmal Ashram Eye Institute side along with other officials from the THDCIL’s and Nirmal Ashram Eye Institute side were also present.



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

Director (Technical), THDCIL visited 1320 MW Khurja Super Thermal Power Plant



Some snapshots from the visit of Director(Technical) to KSTPP

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical) visited the 1320 MW Khurja Super Thermal Power Plant on 07 January, 2024. He conducted a comprehensive review of the ongoing project work and convened a joint meeting with various agencies and officials of THDCIL. During the meeting, Director(Technical) emphasized the importance of expediting the work to ensure the timely synchronization of Unit 1. He was joined by Sh. Tejinder Gupta, Director (Power), BHEL and the senior officials of KSTPP, NTPC, LMB and BHEL, collectively focused on project acceleration and efficient coordination.

Significant milestones achieved at Khurja Super Thermal Power Project



The chemical cleaning of Boiler Unit#1 started on 17 January, 2024 at 1320 MW Khurja Super Thermal Power Plant. The main purpose behind this remarkable achievement was to clean those areas of boiler pressure parts that handle water/saturated steam during operation. Chemical cleaning will help to remove dust, oil, and grease from the internal surfaces of the boiler by circulating alkali solutions. It will also remove mill scale and other deposits from inside the boiler by circulating acidic chemical solutions.

On the same day, water successfully arrived in Clarifier (PT-CW) after traveling about 1.5 Km in 850mm diameter raw water pipe from the raw water pump house to the aerator (PT-CW) at WTP. After due treatment of water (PT-CW) at the Water treatment plant, water will be fed into Cooling Water (CW) channel for further use. The work of WTP is being executed by M/s Gaja Engineering. Both achievements are crucial for the Boiler Light up and further commissioning of the project.

On the occasion of chemical cleaning Sh. Kumar Sharad (ED-Project), Sh. Prabhat Ranjan (AGM-Civil), Sh. Sandeep Bera (Project Director, LMB) and other senior officials of THDC, NTPC and LMB were present. While the event at WTP was witnessed by Sh. Kumar Sharad (ED-Project), Sh. Shailesh Dhyani (AGM-Mech.), Sh. Anil Tyagi (AGM-WTP), Sh. Kannadasn (Sr. Manager-WTP), Sh. Jeetendra Kumar (Manger-WTP), Sh. Nilesh Kumar (Dy. Manager), Sh. Harish (PM-Gaja) and other officials of THDC and NTPC.

19.

**You cannot believe in God unless you believe in yourself.
Swami Vivekananda**



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

टीएचडीसी ने 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना के मुख्य बांध पर कंक्रीट कार्य शुरू करने के साथ मील का पत्थर हासिल किया



श्री आर. के. विश्वोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने हर्ष व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि देश की जलविद्युत क्षमताओं में वृद्धि करने की दिशा में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना (444 मेवा) ने महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। जिसके अंतर्गत 18 जनवरी, 2024 को मुख्य बांध के ब्लॉक नंबर 1 में कंक्रीट का काम शुरू हो गया है।

इसके अलावा, श्री विश्वोई ने हिमालयी जलविद्युत क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की उल्लेखनीय उपलब्धि के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी, 2024 को, नवीनतम डबल शील्ड तकनीक से लैस इस टीबीएम ने 9.86 मीटर व्यास वाली हेड रेस टनल (एचआरटी) के 24 मीटर भाग का निर्माण किया, जिसने एक ही दिन में खोदी गई सबसे अधिक व्यास वाली टीबीएम सुरंग का रिकॉर्ड बनाया। भारत के हिमालयी भूविज्ञान में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो न केवल टीएचडीसी को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है बल्कि राष्ट्र का गौरव भी बढ़ाती है। यह उपलब्धि जिसमें लाइनिंग का संस्थापन, पी ग्रेवेल की फिलिंग एवं ग्राउटिंग शामिल है, टीएचडीसीआईएल और एचसीसी की विशेषज्ञ टीमों की देखरेख में प्राप्त हुई है। कुल 11.7 किलोमीटर एचआरटी में से 550 मीटर से अधिक का निर्माण पिछले 2 महीनों में टीबीएम के माध्यम से किया गया है। श्री विश्वोई ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस उपलब्धि पर संबोधित करते हुए वीपीएचईपी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने चुनौतियों पर काबू पाने में परियोजना टीम के कौशल की भी सराहना की और मुख्य बांध पर कंक्रीट कार्य शुरू करने के महत्व पर जोर दिया।

परियोजना के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए, श्री विश्वोई ने बताया कि उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित 444 मेगावाट की विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना है। इस परियोजना में अलकनंदा नदी पर 65 मीटर ऊंचे कंक्रीट बांध का निर्माण शामिल है, जिसमें 237 मीटर ग्रास हेड का उपयोग किया जाएगा। इस परियोजना से 1657 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पन्न होगा। परियोजना में पावर हाउस, ट्रांसफार्मर हॉल, बांध, एचआरटी और टीआरटी क्षेत्र सहित प्रमुख परियोजना संरचनाओं पर सिविल कार्य में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है।

ऑनलाइन बैठक में श्री जे. बेहेरा, निदेशक(वित्त), श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक(कार्मिक), श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक(तकनीकी) एवं वीपीएचईपी परियोजना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जो कि परियोजना की सफलता के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री जे. बेहेरा, निदेशक(वित्त) ने वीपीएचईपी टीम को उनकी अनुकरणीय कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी।

श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक) ने वीपीएचईपी टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें निर्धारित लक्ष्य को समय-सीमा में प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक(तकनीकी) ने वीपीएचईपी टीम को बधाई दी और मौजूदा गति को देखते हुए परियोजना को तय समय से पहले पूरा करने को लेकर आशा व्यक्त की।

इस कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी), श्री अजय वर्मा के साथ-साथ टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।



Generating Power... Transmitting Prosperity ...

2400 मेगावाट के टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स की कमीशनिंग की ओर बढ़ते हुए टीएचडीसी की एक और उपलब्धि



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, विद्युत क्षेत्र के अग्रणी पीएसयू ने 2400 मेगावाट के टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स की कमीशनिंग की दिशा में एक कदम और बढ़ाकर विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि 1000 मेगावाट की टिहरी पीएसपी की प्रथम यूनिट (यू # 5, 250 मेगावाट) के बटर फ्लाइंग वाल्व को 04 जनवरी, 2024 को नींव में स्थापित करने के साथ प्राप्त हुई। यह उपलब्धि भारत के सबसे बड़े 2400 मेगावाट के हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स की पूर्ण परिचालन क्षमता प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें 1000 मेगावाट की टिहरी एचपीपी और 400 मेगावाट की कोटेश्वर एचईपी पहले से ही सफल प्रचालन में है।

श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने टिहरी पीएसपी टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बीएफवी का यह सफल प्लेसमेंट परियोजना की प्रगति को सुदृढ़ करता है और विकास के अगले चरणों के लिए मंच तैयार करता है।

श्री विश्नोई ने इस विषय पर जोर देते हुए कहा कि टीएचडीसी टिहरी पीएसपी की कमीशनिंग करने की दिशा में एक कदम नजदीक आ गई है यह परियोजना शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की देश की प्रतिबद्धता और 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन के देश के विजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पीएसपी के चालू होने के बाद, 2400 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ भारत में सबसे बड़ा, टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स, 24x7 किफायती विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करेगा। टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुरूप, सतत और पर्यावरण के प्रति जागरूक ऊर्जा समाधानों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह उपलब्धि विद्युत क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है और जैसे-जैसे परियोजना प्रगति कर रही है, टीएचडीसीआईएल भी उत्कृष्टता और पर्यावरणीय निर्वहन के उच्चतम मानकों को प्रतिबद्धता के साथ बनाए रखने के लिए तत्पर है।

इस अवसर पर श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टीसी), श्री नीरज वर्मा, महाप्रबंधक(पीएसपी-ईएम एवं एचएम), श्री ए.आर. गैरोला, महाप्रबंधक (पीएसपी-सिविल), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशा.और केन्द्रीय संचार), श्री.एस.के. साहू, अपर महाप्रबंधक (पीएसपी-ईएम एवं एचएम), सहित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और जीईपीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

THDCIL Employees Extend Warmth with Blanket Distribution Drive

In a compassionate initiative, employees of THDCIL's NCR Office rallied together to support the community during the harsh winter season. Approximately 25 high-quality blankets were purchased through employee contributions at NCR office. These blankets were then distributed to leprosy patients receiving long-term treatment at The Leprosy Mission Trust Hospital (NGO) in Dilshad Garden, Delhi.



21.

You cannot believe in God unless you believe in yourself.
Swami Vivekananda



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

Successful Lowering of Stator (250 MW, weight: 321Ton) in the Generator Pit of Unit # 08 (4th Unit) of 1000 MW Tehri PSP



Sh. R. K. Vishnoi, CMD, THDCIL announced another milestone with the successful lowering of Stator (250 MW, weight: 321 Ton) in the Generator Pit of Unit # 08 (4th Unit) of 1000 MW Tehri Pumped Storage Plant (PSP) on 12th January, 2024. The achievement of this remarkable milestone has brought THDCIL one step closer towards the commissioning of Nation's first Variable Speed Pumped Storage Project (1000MW).

Sh. Vishnoi congratulated the entire team of PSP for putting their sincere & concerted efforts towards the achievement of this milestone and emphasizes that this milestone holds paramount importance in the journey toward the complete operation of the 2400 MW Tehri Power Complex. On this auspicious occasion Sh. L.P. Joshi, Executive Director (Tehri Complex & APP), Sh. S.K. Sahoo, AGM (Incharge- EM&HM) , Sh. R.P. Mishra AGM(Civil-PSP) , Sh. A.N. Tripathy, GM(HR&A), Sh. D.C. Shukla ,Deputy Commandant (CISF), Sh. Sandeep Sharma, Sr. Site Manager (GEPIL), Sh. Sanjay Dave ,V.P., (HCC) and other senior officials of THDCIL , GEPIL & HCC were also present.

Further, Sh. L.P. Joshi, ED (Tehri Complex & APP) & Head of PSP Project also expressed his gratitude to all the persons connected directly or indirectly with the execution of this prestigious project.

विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में आयोजित दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला



विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (444 MW) के अलकनंदा पुरम कैंपस में 17 जनवरी 2024 और 18 जनवरी 2024 को दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में परियोजना के विभिन्न विभाग के नामित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में टीएचडीसीआईएल से सेवानिवृत्त उप प्रबंधक, श्री डी.एस. रावत शामिल हुए। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों एवं

दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई और उन्हें राजभाषा हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वीपीएचईपी के परियोजना प्रमुख व मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री अजय वर्मा ने परियोजना के समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रशिक्षक के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

Awareness & Knowledge Sharing Session on 'Enhancing Workability'

An awareness and knowledge sharing session was conducted on the topic " Enhancing Workability " by Sh. Sudhir Giri Goswami, DGM (Corporate Planning), on 18th January, 2024 at the NCR office, Kaushambi. The session covered topics such as work-life balance, effective task management, workplace socialization, etiquettes, and strategies for creating a pressure-free environment. Participants gained insights into maximizing productivity through resource optimization and fostering a result-oriented culture.





Generating Power... Transmitting Prosperity ...

Groundbreaking Achievement in the Technological Frontier of 444 MW VPHEP



Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL informed about a groundbreaking achievement in the technological frontier of the 444 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project. The 9.86m Diameter Tunnel Boring Machine (TBM) equipped with cutting-edge double shield technology has set a remarkable milestone by constructing 431m of the Head Race Tunnel (HRT) in January 2024, coupled with an impressive progress of 270m in December 2023. This remarkable feat signifies a groundbreaking achievement in the construction of the 444MW VPHEP project, showcasing the project's resilience in the formidable Himalayan geology.

The Project is of utmost significance as it is situated in the Chamoli district of Uttarakhand, as a Run-of-River Hydro Electric Project. The ambitious undertaking involves the construction of a 65m high concrete dam, leveraging a gross head of 237M on the Alaknanda River. A discharge of 228cumecs is meticulously planned to traverse an 8.8m diameter Head Race Tunnel spanning 13.4KM, leading to an underground Power House. Following power generation, the Tailrace discharge is seamlessly redirected into the Alaknanda River through a 9.1m Diameter tunnel extending 3.1KM. The impressive strides made by TBM underscores the dedication, skill, and proficiency of the THDCIL Team in successfully executing challenging projects. Leveraging their extensive experience in the construction, operation, and maintenance of India's highest dam, the 1000 MW Tehri HPP, the team showcases its expertise and commitment to excellence.

This forward-looking initiative not only adds 444MW to the Northern region's capacity but also promises to alleviate peaking power shortages significantly. Projections estimate the generation of 1657 Million units of electricity, with 12% of this contributing to Uttarakhand State Government's power supply needs. Beyond its substantial impact on the energy landscape, the project is fostering integrated development in the Chamoli region, spanning Employment, Communication, Education, Health, Tourism, and Environmental Conservation. The Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project stands as a testament to technological prowess, addressing energy needs while fostering comprehensive regional progress.

A 03-Week Common Mandatory Foundation Program of ETs at GNEC-IIT Roorkee



To provide fresh recruits with a strong knowledge base and 360-degree overview of the Power Sector and to develop camaraderie with batchmates

across the locations, a 03-Week Common Mandatory Foundation program for all the fresh recruits is being organized at National Power Training Institute as a part of their Induction Training.

A total of 142 Executive Trainees of THDCIL have been imparted the Foundation Training along with ETs from various organizations like NTPC, NHPC, and SJVN. The training of 4th batch of 25 ETs of THDCIL, commenced on 11th Dec, 2023 and concluded on 29th Dec, 2023. Sh. S.K Sharma, AGM (HRD) was invited to the Valedictory Session of the program on 29th Dec, 2023.



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

लेडीज़ क्लब

कुष्ठ आश्रमों में राशन एवं गरम वस्त्रों का वितरण



लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन तेजस्विनी, ऋषिकेश द्वारा 10 जनवरी 2024 को तपोवन एवं ढालवाला स्थित कुष्ठ आश्रमों में राशन एवं गरम वस्त्र वितरित किए गए। इस अवसर पर क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्वाई, संरक्षिका, श्रीमती मनु शिखा गुप्ता एवं क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।



विन्टर गेम्स का आयोजन



लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन तेजस्विनी, ऋषिकेश द्वारा 11 जनवरी 2024 को शीतकालीन गेम्स का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्वाई, संरक्षिका, श्रीमती सागरिका बेहेरा एवं क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।



लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन तेजस्विनी, ऋषिकेश द्वारा क्लब की सदस्याओं का विदाई समारोह आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन तेजस्विनी, ऋषिकेश द्वारा 24 जनवरी 2024 को क्लब की सदस्याओं श्रीमती अनु रतूड़ी एवं श्रीमती विजया रावत के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

मंजरी लेडीज़ क्लब खुर्जा द्वारा स्कूलों में सामान का वितरण



खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना के मंजरी लेडीज़ क्लब द्वारा दिनांक 27 दिसंबर 2023 को प्राथमिक विद्यालय, दशहरा में कक्षा 1 से 5 तक के कुल 48 बच्चों हेतु दो झूले लगवाए गए। इससे पूर्व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, ग्राम दशहरा में हॉस्टल में रह रही बच्चियों के बीच आवश्यक रोजमर्रा का सामान भी क्लब के सदस्यों द्वारा वितरित किया गया। झूला वितरण के अवसर श्रीमती विनीता शरद (अध्यक्षा), श्रीमती एकता त्यागी (उप-अध्यक्षा), श्रीमती प्रीति गुप्ता (सेक्रेटरी), श्रीमती ममता बिष्ट (कोषाध्यक्ष), श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा (कल्चरल सेक्रेटरी) एवं मंजरी लेडीज़ क्लब की अन्य सभी सदस्याएं मौजूद रहीं।

24.

जब तक आप स्वयं पर विश्वास नहीं करते तब तक आप ईश्वर पर विश्वास नहीं कर सकते।
स्वामी विवेकानंद



Generating Power... Transmitting Prosperity ...



भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



श्री पी. के. बेहरा
उप महाप्रबंधक (विद्युत)
खुर्जा
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



श्री हर्षपति अमोला
वरिष्ठ प्रबंधक (हाइड्रो मैकेनिकल)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



श्री बी. एस. रावत
वरिष्ठ प्रबंधक
पीएसपी, टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



श्री विजय कुमार रतूड़ी
वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



श्री आर पी थपलियाल
वरिष्ठ प्रबंधक (ओ.एम.एस.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



श्री एस. के. गर्ग
वरिष्ठ प्रबंधक (नियोजन)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2024



Scan and Follow

THDCIL's Official Social Media handles for latest updates



Facebook



Twitter



YouTube



LinkedIn



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता ...

पर्यटन दिवस: विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना स्थानीय विकास और पर्यटन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में उभरेगा



444 मेवा. विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना के मशीन हाल व अलकनंदा नदी का दृश्य

उत्तराखंड के अत्यंत मनोरम परिदृश्यों में से एक चमोली ज़िले के विष्णुगाड़ और पीपलकोटी क्षेत्र जहां अलकनंदा नदी का शांत प्रवाह मनोरम हिमालयी इलाके से होकर गुजरता है। वह एक प्रभावशाली परिवर्तन का गवाह बन रहा है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के नेतृत्व में निर्माणाधीन रन-ऑफ-द-रिवर 444 मेगावाट की विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना, क्षेत्र के लिए सतत एवं अक्षय ऊर्जा का प्रतीक और सामाजिक-आर्थिक विकास का अग्रदूत बनकर उभरी है।

इस जल विद्युत परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने की इसकी क्षमता है। उत्तराखंड का गढ़वाल क्षेत्र जो पहले से ही अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, उसे और भी अधिक लाभ होने वाला है क्योंकि विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना इस क्षेत्र में आकर्षण की एक और परत जोड़ती है। बांध और इससे बनने वाला जलाशय एक नया आकर्षण बन जाएगा, जो प्रकृति प्रेमियों, एडवेंचर के चहेते और मनमोहक वादियों और खूबसूरत परिदृश्यों के साथ इंजीनियरिंग चमत्कारों के मिश्रण को देखने के लिए उत्सुक पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति परियोजना की प्रतिबद्धता इसके रन-ऑफ-द-रिवर डिज़ाइन में स्पष्ट है, जो स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करता है। यह कर्तव्यनिष्ठ दृष्टिकोण न केवल टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सतत विकास के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूक यात्रियों के लिए क्षेत्र की अपील को भी बढ़ाता है। जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ, यह परियोजना क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता के दीर्घकालिक संरक्षण में योगदान देती है।

पर्यावरणीय विचारों से परे, विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आधारशिला बनने के लिए तैयार है। अपने निर्माण चरण में ही परियोजना स्थानीय आबादी के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि पैदा कर दी है। कुशल और अकुशल श्रमिकों को समान रूप से लाभकारी रोजगार मिल रहा है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल रहा है। जैसे-जैसे परियोजना आगे बढ़ेगी, तकनीकी भूमिकाओं से लेकर पर्यटकों की आमद को पूरा करने वाली आतिथ्य सेवाओं तक नौकरी के अवसर उभरते रहेंगे।

इसके अलावा, इस परियोजना में सहायक उद्योगों के विकास को उत्प्रेरित करने, आर्थिक समृद्धि को नये आयाम देने की असीम क्षमता है। पर्यटकों की आमद बढ़ने से होटल, रेस्तरां और दुकानों सहित स्थानीय व्यवसाय फलने-फूलने की ओर अग्रसर हैं। यह न केवल स्थानीय समुदाय की आजीविका को बढ़ाता है बल्कि एक स्थायी आर्थिक इकोसिस्टम भी स्थापित करता है जो परियोजना के पूरा होने से कहीं आगे तक फैला हुआ है।

विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और एक ऐसे भविष्य को बढ़ावा देने के बारे में है जहां सतत विकास और आर्थिक विकास साथ-साथ चलते हैं। जैसा कि हम इस परियोजना के विकास को देख रहे हैं, आइए हम न केवल घरों को रोशन करने में बल्कि उत्तराखंड के लोगों के लिए एक उज्ज्वल, अधिक समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने में भी इसकी भूमिका को पहचानें।

**द्वारा: श्री वाई. एस. चौहान
(उप प्रबंधक) व श्री अविनाश कुमार
(कार्यपालक प्रशिक्षु)
जनसम्पर्क विभाग, पीपलकोटी**

(लेख में व्यक्त किए विचार लेखकों की व्यक्तिगत राय है जिसमें संपादक मंडल का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



Generating Power... Transmitting Prosperity ...



अभिवृष्टि

“एक एकीकृत वैश्विक ऊर्जा संगठन जो भारत की शुद्ध-शून्य आकांक्षाओं की अभिप्राप्ति के लिए सतत समाधान प्राप्त करे।”

मिशन

- विविध स्रोतों से स्वच्छ और किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराना।
- उभरती ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की खोज करना एवं सुचारु परिवर्तन को सक्रिय करने के लिए गुणवत्तापरक स्थायी समाधान प्रदान करना।
- व्यक्तियों को सक्षम एवं विकसित करते हुए परिवर्तन को अंगीकार करने हेतु संगठनात्मक क्षमताओं का निर्माण करना।
- व्यावसायिक गतिविधियों में उच्चतम नैतिक मानकों एवं सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करना।
- सामाजिक रूप से उत्तरदायी रहकर कार्य करना एवं पर्यावरण एवं व्यक्तियों के प्रति प्रतिबद्ध होकर कार्य करना।
- उच्च उत्पादकता और दक्षता को हासिल करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अंगीकृत करना।
- संसाधनों के अधिकतम दोहन के लिए रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देना।



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED



तात्विक मूल्य

ASPIRE

- A** : Accountability (जवाबदेही)
- S** : Sustainability (पर्यावरणीय स्थिरता)
- P** : Passion (जोश)
- I** : Innovation(नवाचार)
- R** : Respect (सम्मान)
- E** : Ethics (नैतिकता)



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन व जनसम्पर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश-249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनके टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

THDCIL's Official Social Media handles for latest updates

